M T W T F S S
Page No.:
Date:
YOUVA

Day 3

(i) कर्तृवाच्य :- जिस वाक्य कर्ता प्रधान होता था है तथा जहाँ क्रिया पद के लिंग और वचन के अनुसार होती है वहाँ कर्तृवाच्य होता है।

उदाहरण

(क) सुरेश चित्र बनाती है।
(ख) दर्जी कपड़े सिलता है।

- उपयुक्त वाक्य में सुरेश, दर्जी कर्ता है तथा इनकी क्रियाएँ है : बनाता है, सिलता है आदि।

विशेष

- कर्तृवाच्य मे कर्ता कारक होता है।
- कर्तृवाच्य में सकर्मक और अकर्मक क्रिया होती है।

Preview from Notesale.co.uk
Page 2 of 3

ii कर्म वाच्य :- जहाँ क्रिया का सीधा संबंध कर्म से होता है तथा जहाँ क्रिया पद लिंग और वचन के अनुसार होती है, वहाँ कर्मवाच्य होती है।

उदाहरण

(क) बच्चे द्वारा क्रिकेट खेला जाता है।
(ख) माली द्वारा पौधे लगाए गए।
ग) रमन द्वारा पतंग उड़ाई जाती है।

Features

- कर्मवाच्य मे कर्ता के महत्व को कम करने